प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

03.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

राज्यपाल

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल आज मंडी जिला के सराज में आपदा ग्रस्त इलाकों का दौरा करेंगे तथा प्रभावितों में राहत सामग्री वितरित करेंगे। राज्यपाल ने बगस्याड़ राहत शिविर का दौरा भी करेंगे। राज्यपाल लोक निर्माण विश्राम गृह थुनाग में बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ बैठक की तथा थुनाग में राहत सामग्री भी वितरित करने के बाद पखरेड़ तथा झुंडी के अंतर्गत प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। इसके बाद राज्यपाल जंजैहली में प्रभावित परिवारों से भेंट की और उन्हें राहत सामग्री वितरित करेंगे।

.....

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के कई जिलों में मॉनसून की वर्षा का क्रम रूक–रूक कर जारी रहा। ऊना जिला में पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक 258 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई जो पिछले पांच दशकों में अब तक की सबसे अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार ऊना जिले में 6 घंटों में सबसे अधिक 220 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश से चंडीगढ़–धर्मशाला एनएच समेत ऊना शहर के तीन किलोमीटर क्षेत्र में तीन से चार फुट तक जलभराव हो गया है। इधर शिमला जिला के कुमारसेन के शनांद में सड़क बहाली के कार्य के दौरान एक जेसीबी मशीन भू–स्खलन की चपेट में आने से गहरी खाई में गिर गई जिसमें जेसीबी चालक की मौत हो गई। कांगड़ा जिला में स्थित पौंग बांध में जलस्तर बढ़ने के कारण भाखड़ा–ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने बांध से अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्णय लिया है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। भारी बारिश और भू–स्खलन के चलते समेत प्रदेश भर में 403 सड़कें बंद हो गई हैं। इसके अलावा चार सौ 11 बिजली ट्रांसफार्मर और एक सौ 96 पेयजल योजनाएं ठप्प पड़ी हैं। प्रदेश में इस मॉनसून सीजन के दौरान अब तक वर्षा जनित हादसों में एक सौ 79 लोगों की मृत्यु हो चुकी है जबकि 36 अन्य लापता हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज प्रदेश के कई इलाकों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है।

.....

भूस्खलन–खतरा

चंबा जिला की चड़ी पंचायत में भू–स्खलन से स्वास्थ्य केंद्र चड़ी का भवन क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्राम पंचायत चड़ी के उप–प्रधान पविंद्र कुमार ने बताया कि इससे नीचे बस रहे गांवों के करीब 40 परिवार को भी खतरा पैदा हो गया है। उधर, कुल्लू के भुंतर में ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ने से पैदल पुल बीती रात क्षतिग्रस्त हो गया। जिला प्रशासन ने इस पुल पर आवाजाही बंद कर दी है।

अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेला

चंबा का अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेला आज संपन्न होगा। आठ दिनों तक चले इस मेले का विधिवत समापन मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर करीब 2 बजे चंबा पहुंचेंगे जिसके पश्चात परिधि गृह चंबा में जन समस्याओं को सुनेंगे। मुख्यमंत्री इसके बाद मिंजर मेले के समापन अवसर पर आयोजित होने वाली शोभा यात्रा में शामिल होने के लिए अखंड चंडी महल जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया भी उनके साथ मौजूद रहेंगे।

अधिक ब्यौरे के साथ हमारे चंबा जिला संवाददाता.....

मुख्यमंत्री आज मिजंर मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में भी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे तथा कल चंबा के चौगान मैदान में मिंजर मेला पारितोषिक वितरण समारोह में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करेंगे। मुंख्यमंत्री ऐतिहासिक चौगान में स्थापित कलाकेंद्र से करोड़ों रूपये की विकास परियोजनाओं के लोकापर्ण व शिलान्यास भी करेंगे।

आयुर्वेद–आहार

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने आयुष मंत्रालय से परामर्श के बाद, आयुर्वेदिक आहार की एक सूची जारी की है। इससे खान–पान को लेकर भारत के सदियों पुराने ज्ञान को मुख्यधारा में लाने में मदद मिलेगी और उपभोक्ताओं तथा कारोबारियों– दोनों में विश्वास बढ़ेगा। इसके अलावा, आयुर्वेदिक आहार उत्पाद तैयार करने के लिए कारोबारियों को भरोसेमंद संदर्भ सामग्री भी मिल सकेगी। आयुष और स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने लोगों से दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ के लिए अपने दैनिक जीवन में आयुर्वेद आहार को सम्मिलित करने का आग्रह किया है।

निर्वाचन आयोग

निर्वाचन आयोग ने मतदाता–सूची तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों–बीएलओ का पारिश्रमिक दोगुना कर दिया है और बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की है। बीएलओ का वार्षिक पारिश्रमिक छह हजार रुपये से बढ़ाकर बारह हजार रुपये कर दिया गया है।

हरियाली उत्सव

पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से रेड क्रॉस इकाई निरमंड ने हरियाली उत्सव कार्यक्रम में लगभग 200 लोग शामिल हुए, जिनमें स्थानीय अधिकारी,

जनप्रतिनिधि, महिला मंडल के सदस्य, रेड क्रॉस के गैर–सरकारी सदस्य और स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर सामूहिक प्रयासों से 500 विविध प्रजातियों के पौधे रोपे गए। जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

.....